Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 11

इतिहास

विश्व इतिहास के कुछ विषय

अनुभाग-3 : बदलती परम्पराएँ
विषय-4: तीन वर्ग

भाग-2

तीन वर्ग-पादरी, अभिजात और कृषक

निर्मल सिंह

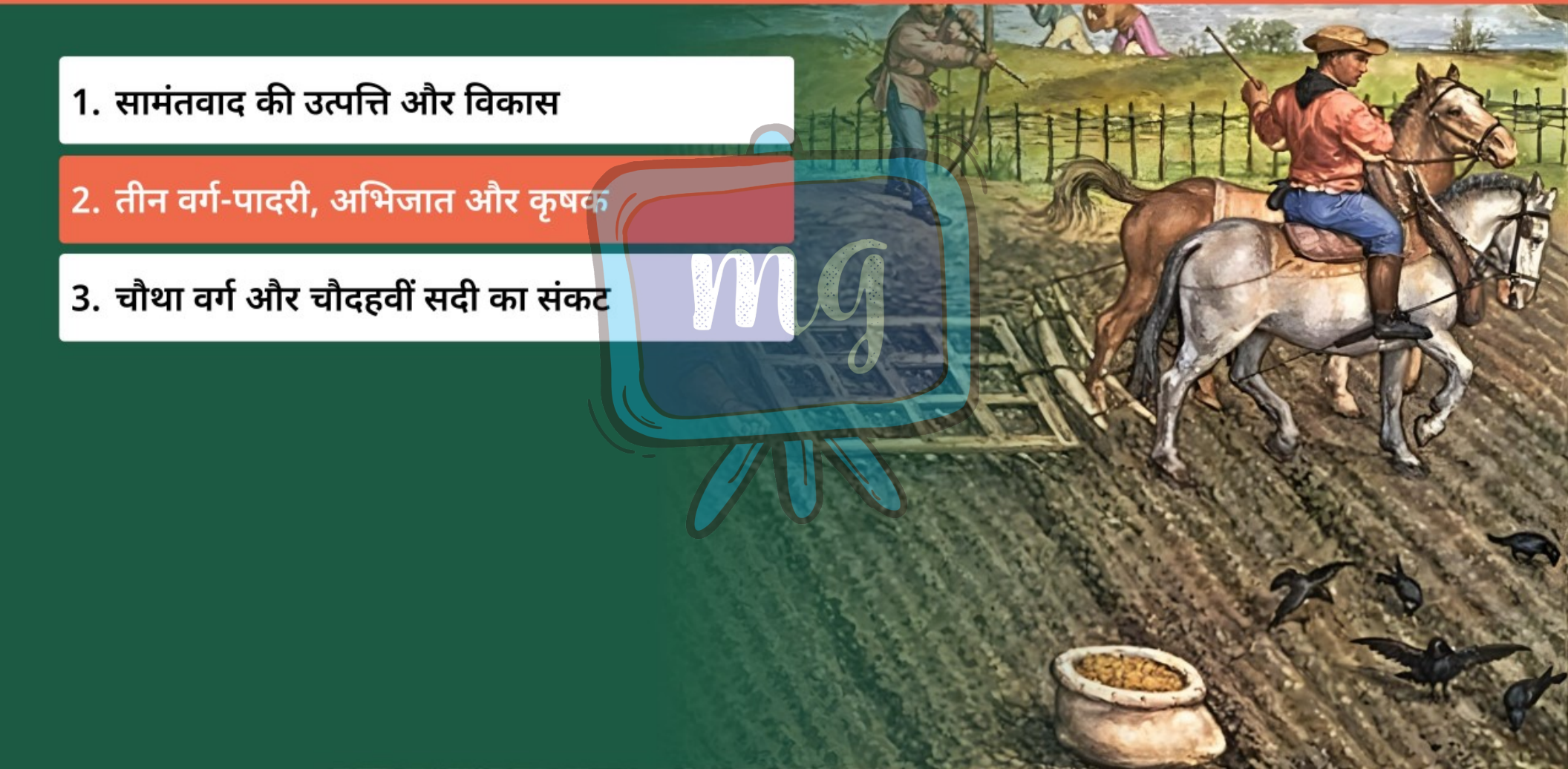


Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. सामंतवाद की उत्पत्ति और विकास
2. तीन वर्ग-पादरी, अभिजात और कृषक
3. चौथा वर्ग और चौदहवीं सदी का संकट



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रथम वर्ग- पादरी वर्ग

- कैथोलिक चर्च राजा द्वारा दी गई भूमियों से कर उगाह सकते थे।
- यह एक शक्तिशाली संस्था थी जो राजा पर निर्भर नहीं थी।
- पश्चिमी चर्च के अध्यक्ष पोप थे, जो रोम में रहते थे।
- यूरोप में ईसाई समाज का मार्गदर्शन बिशपों तथा पादरियों द्वारा किया जाता था ।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- बिशप तथा पादरी प्रथम वर्ग के अंग थे।
- कृषि-दास, शारीरिक रूप से बाधित व्यक्ति और स्त्रियाँ पादरी नहीं बन सकते थे।
- जो पुरुष पादरी बनते थे, वे शादी नहीं कर सकते थे।
- धर्म के क्षेत्र में बिशप अभिजात माने जाते थे।
- बिशपों के पास भी लॉर्ड की तरह विस्तृत जागीरें थीं और वे शानदार महलों में रहते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ चर्च कृषक से उसकी उपज का दसवाँ भाग लेती थी जिसे 'टीथ' (Tithe) कहते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ चर्च के औपचारिक रीति-रिवाज की कुछ रस्में, सामंती कुलीनों की नकल थी–

1. ईश्वर के लिए लॉर्ड शब्द का प्रचलन।
2. प्रार्थना करते वक्त, हाथ जोड़कर और सिर झुकाकर घुटनों के बल झुकना।

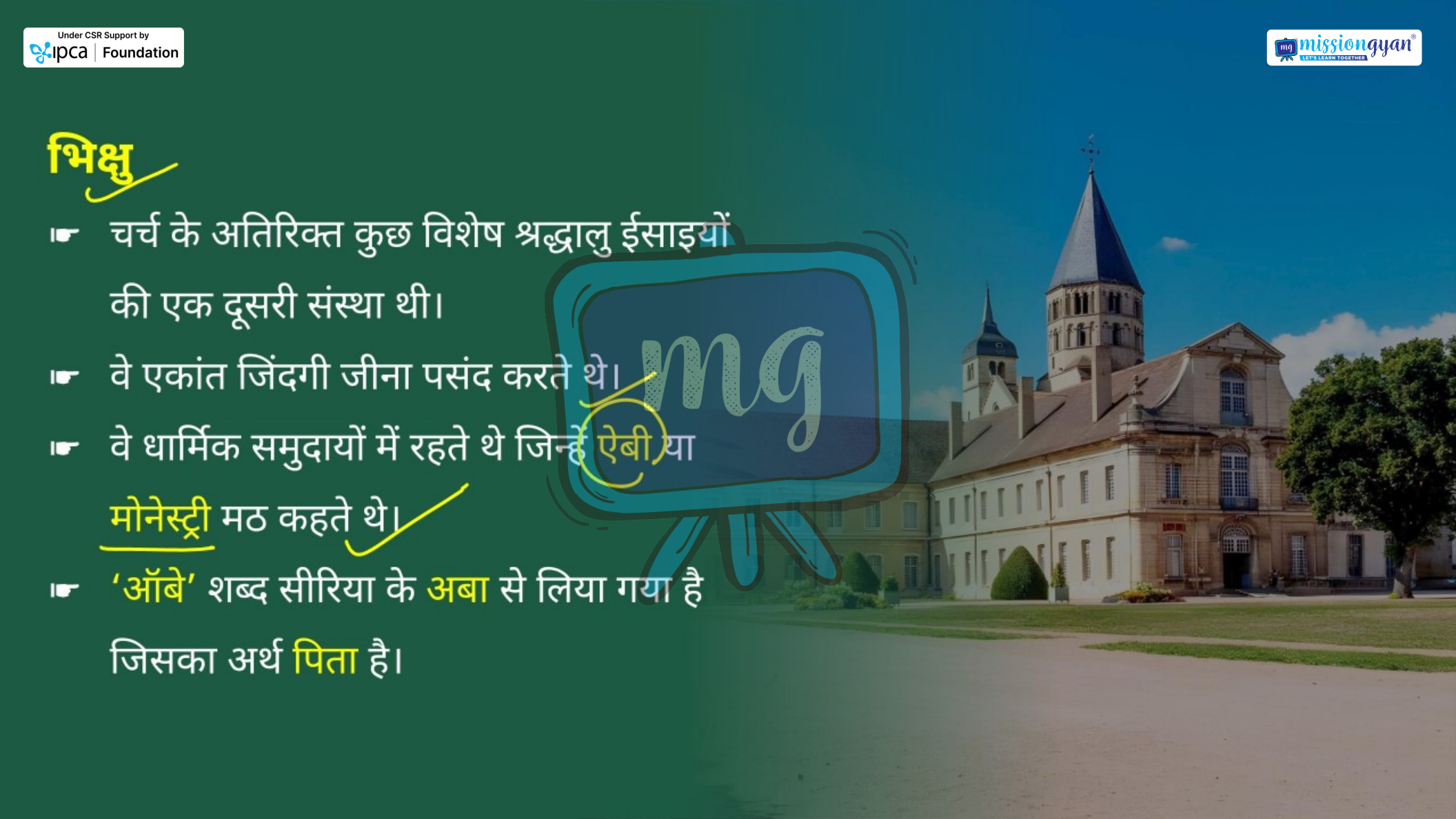


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भिक्षु

- चर्च के अतिरिक्त कुछ विशेष श्रद्धालु ईसाइयों की एक दूसरी संस्था थी।
- वे एकांत जिंदगी जीना पसंद करते थे।
- वे धार्मिक समुदायों में रहते थे जिन्हें ऐबी या मोनेस्ट्री मठ कहते थे।
- 'ऑबे' शब्द सीरिया के अबा से लिया गया है जिसका अर्थ पिता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

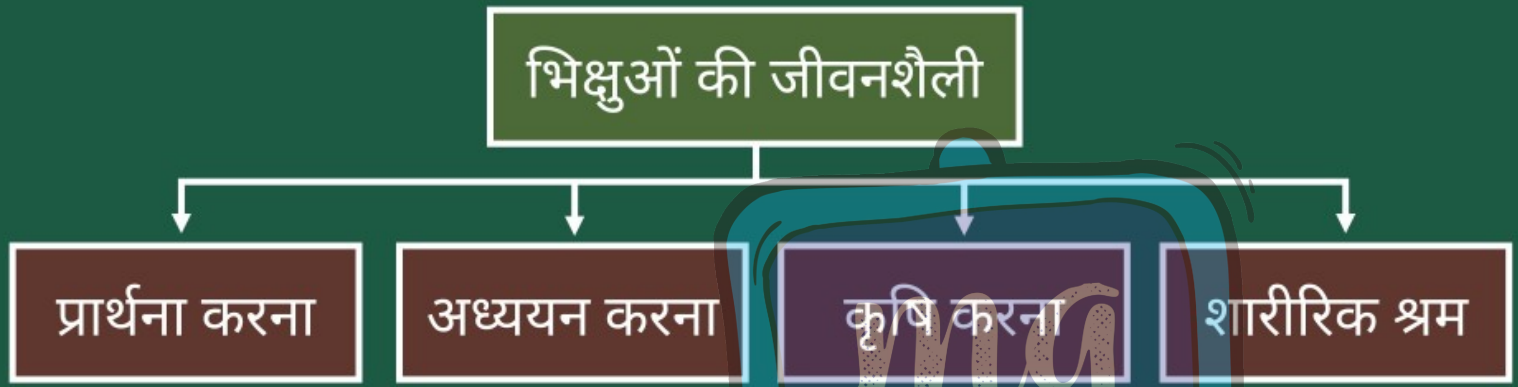
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- मोनेस्ट्री शब्द ग्रीक भाषा के शब्द 'मोनोस' से बना है।
- जिसका अर्थ है ऐसा व्यक्ति जो अकेला रहता हो।
- दो सबसे अधिक प्रसिद्ध मठों में एक मठ 529 में इटली में स्थापित सेंट बेनेडिक्ट था।
- दूसरा 910 में बरगंडी में स्थापित क्लूनी था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- भिक्षु की जिंदगी पुरुष और स्त्रियाँ दोनों ही अपना सकते थे।
- पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग ऑबे थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ ऐसे पुरुषों को मोंक (Monk) तथा स्त्रियाँ नन (Nun) कहलाती थीं।



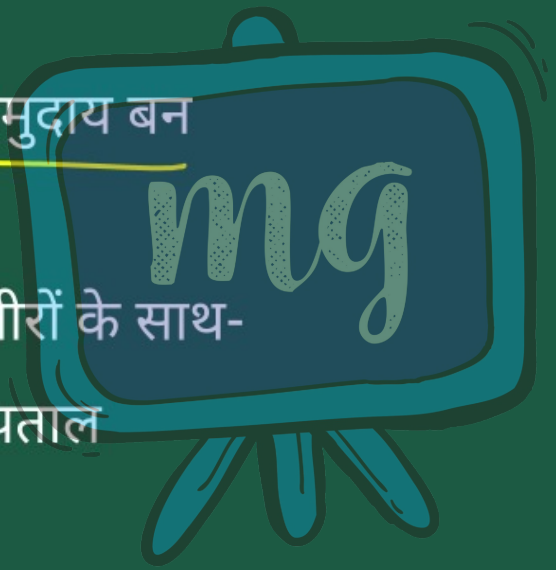




Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- भिक्षु और भिक्षुणियाँ भी विवाह नहीं कर सकते थे।
- मठ अब सैकड़ों की संख्या के समुदाय बन गए।
- जिसमें बड़ी इमारतें और भू-जागीरों के साथ-साथ स्कूल या कॉलेज और अस्पताल सम्मिलित थे।
- इन समुदायों ने कला के विकास में योगदान दिया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- आबेस हिल्डेगार्ड एक प्रतिभाशाली संगीतज्ञ था।
- तेरहवीं सदी से भिक्षुओं के कुछ समूह ने मठों में न रहने का निर्णय लिया।
- जिन्हें फ़ायर कहते थे।
- वे घूम-घूम कर लोगों को उपदेश देते और दान से अपनी जीविका चलाते थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ इंग्लैंड में, लैंग्लैंड की कविता पियर्स प्लाउमैन (1360-70 ई.) में कुछ भिक्षुओं के आरामदायक एवं विलासितापूर्ण जीवन की साधारण कृषकों, गड़रियों और गरीब मजदूरों के 'विशुद्ध विश्वास' से तुलना की गई है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ इंग्लैंड में भी चॉसर ने कैंटरबरी टेल्स लिखी जिसमें भिक्षुणी , भिक्षु और फ़्रायर का हास्यास्पद चित्रण किया गया है।

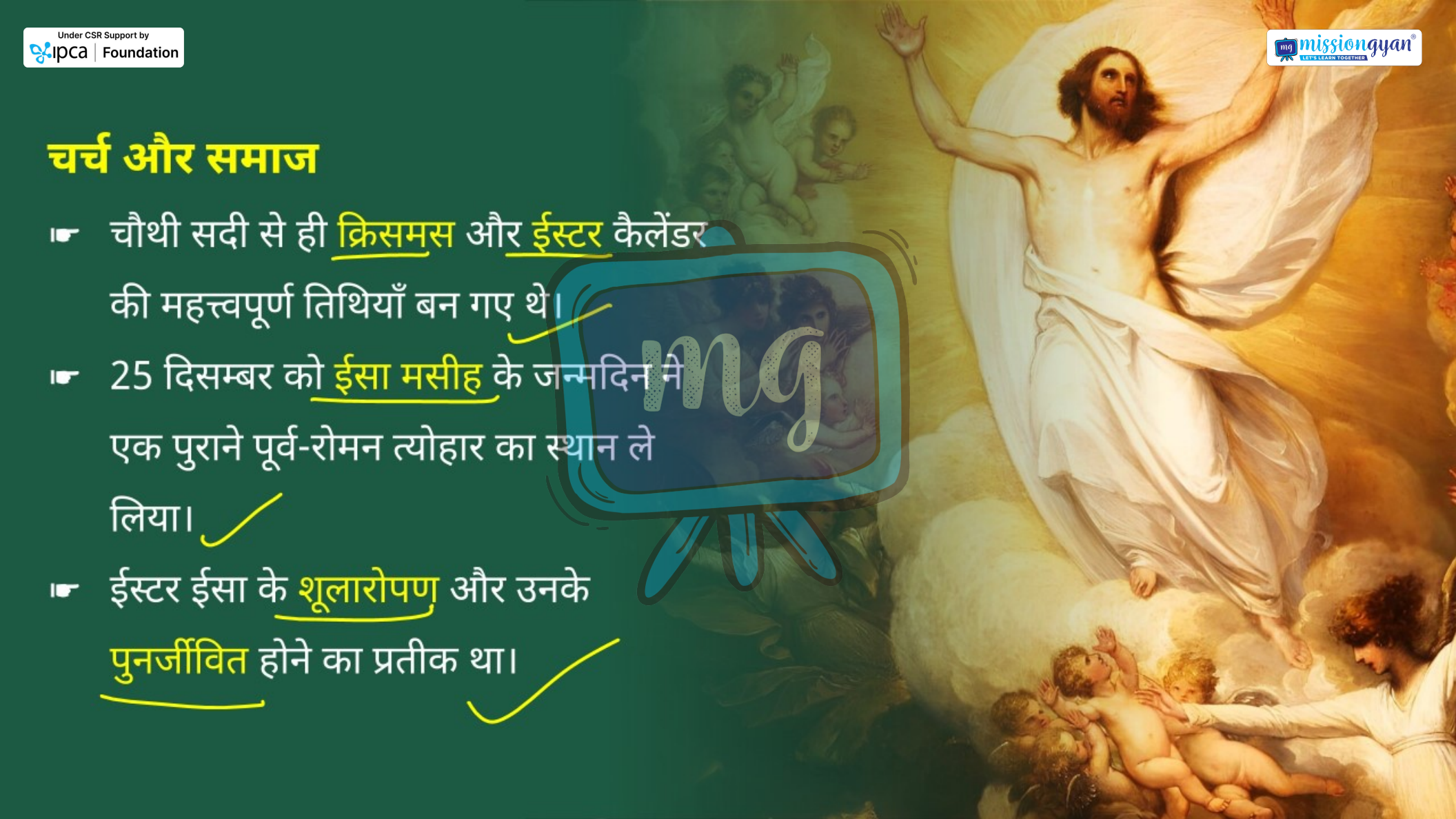


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चर्च और समाज

- चौथी सदी से ही क्रिसमस और ईस्टर कैलेंडर की महत्त्वपूर्ण तिथियाँ बन गए थे।
- 25 दिसम्बर को ईसा मसीह के जन्मदिन ने एक पुराने पूर्व-रोमन त्योहार का स्थान ले लिया।
- ईस्टर ईसा के शूलारोपण और उनके पुनर्जीवित होने का प्रतीक था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- परंपरागत रूप में, उस दिन प्रत्येक गाँव के व्यक्ति अपने गाँव की भूमि का दौरा करते थे।
- ईसाई धर्म के आने पर अब वे उसे ग्राम के स्थान पर 'पैरिश' (एक पादरी की देखरेख में आने वाला क्षेत्र) कहने लगे।
- तीर्थयात्रा, ईसाइयों के जीवन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दूसरा वर्ग-अभिजात वर्ग

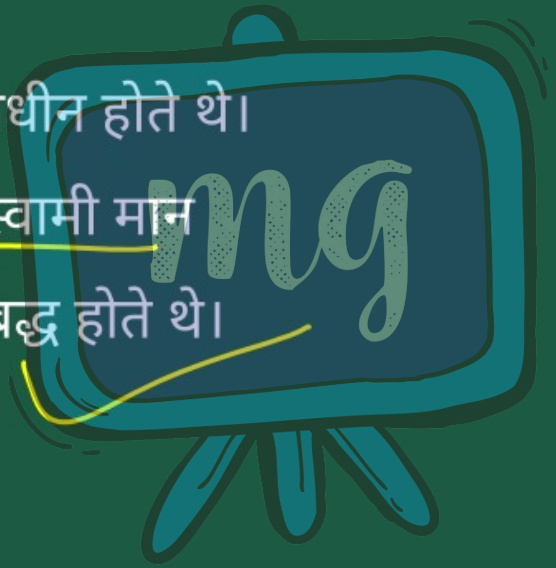
- सामाजिक प्रक्रिया में इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी।
- ऐसा भूमि पर उनके नियंत्रण के कारण था।
- फ्रांस के शासकों का लोगों से जुड़ाव एक प्रथा के कारण था जिसे 'वैसलेज' कहते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

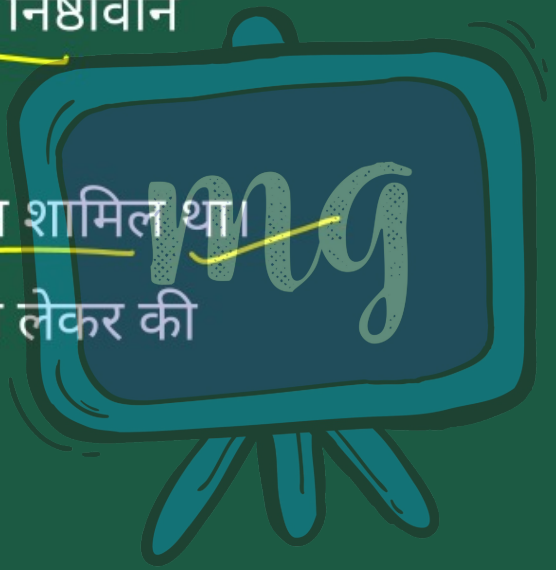
- बड़े भू-स्वामी और अभिजात वर्ग राजा के अधीन होते थे।
- जबकि कृषक भू-स्वामियों के अधीन होते थे।
- अभिजात वर्ग राजा को अपना स्वामी मान लेता था और वे आपस में वचनबद्ध होते थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- सेन्योर/लॉर्ड, दास (Vassal) की रक्षा करता था और बदले में वह उसके प्रति निष्ठावान रहता था।
- इन संबंधों में शपथों का विनिमय शामिल था।
- जो कि चर्च में बाईबल की शपथ लेकर की जाती थी।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

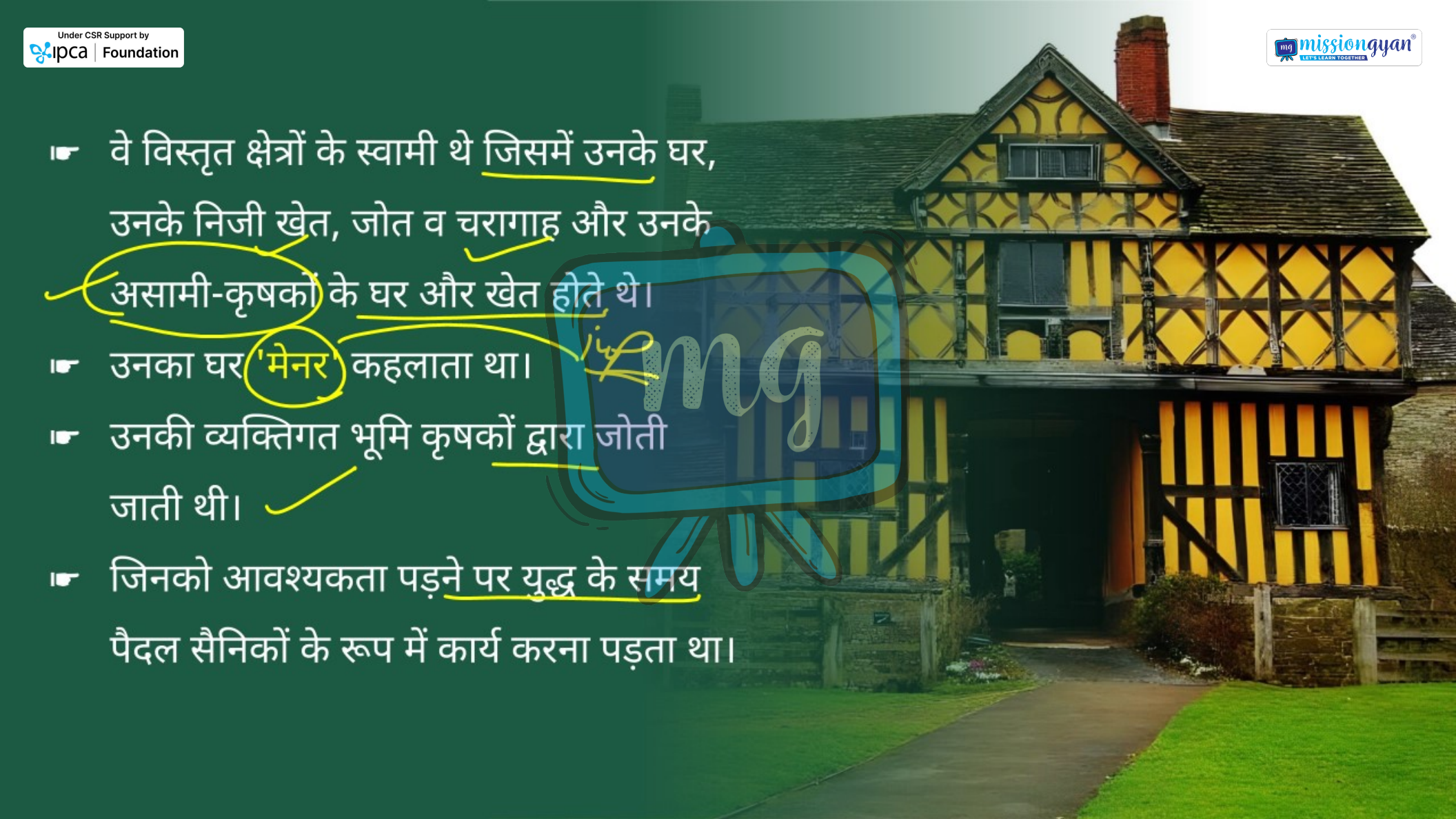
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अभिजात वर्ग का अपनी संपदा पर स्थायी तौर पर पूर्ण नियंत्रण था।
- वह अपनी सैन्य क्षमता बढ़ा सकते थे जो सामंती सेना कहलाती थी।
- वे अपना स्वयं का न्यायालय लगा सकते थे।
- अपनी मुद्रा भी प्रचलित कर सकते थे।
- वे अपनी भूमि पर बसे सभी व्यक्तियों के मालिक थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- वे विस्तृत क्षेत्रों के स्वामी थे जिसमें उनके घर, उनके निजी खेत, जोत व चरागाह और उनके असामी-कृषकों के घर और खेत होते थे।
- उनका घर 'मेनर' कहलाता था।
- उनकी व्यक्तिगत भूमि कृषकों द्वारा जोती जाती थी।
- जिनको आवश्यकता पड़ने पर युद्ध के समय पैदल सैनिकों के रूप में कार्य करना पड़ता था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तीसरा वर्ग-किसान, स्वतंत्र और बंधक

काश्तकार के प्रकार

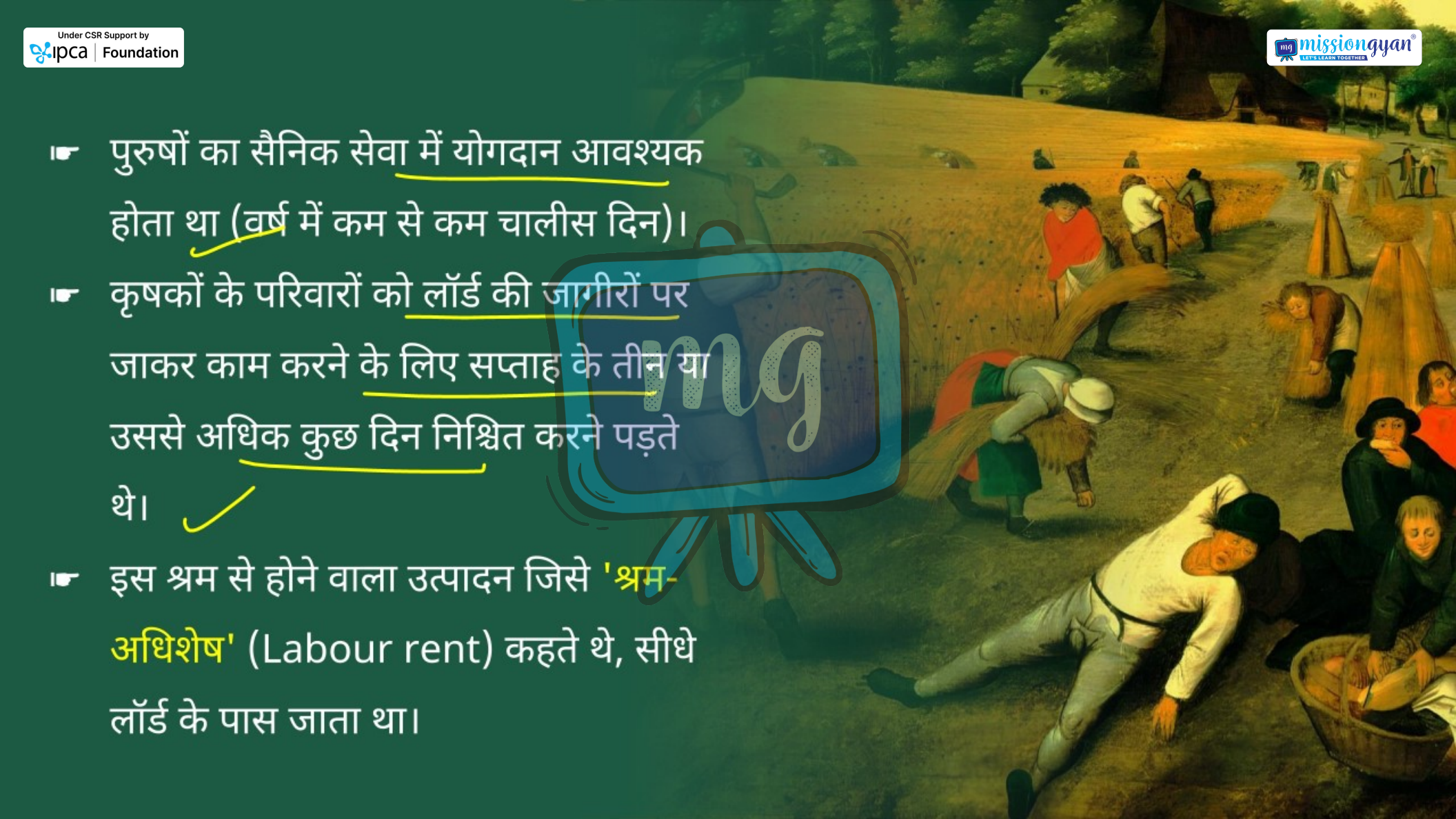
- स्वतंत्र किसान
- सर्फ़ (कृषि-दास)

☛ सर्फ़ अंग्रेज़ी की क्रिया टू सर्व (To serve) से बना है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- पुरुषों का सैनिक सेवा में योगदान आवश्यक होता था (वर्ष में कम से कम चालीस दिन)।
- कृषकों के परिवारों को लॉर्ड की जागीरों पर जाकर काम करने के लिए सप्ताह के तीन या उससे अधिक कुछ दिन निश्चित करने पड़ते थे।
- इस श्रम से होने वाला उत्पादन जिसे 'श्रम-अधिशेष' (Labour rent) कहते थे, सीधे लॉर्ड के पास जाता था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- स्त्रियाँ सूत कातने, कपड़ा बुनने, मोमबत्ती बनाने और लॉर्ड के उपयोग हेतु अंगूरों से रस निकाल कर मदिरा तैयार करती थी।
- इसके साथ ही एक प्रत्यक्ष कर 'टैली' (Taille) था जिसे राजा कृषकों पर कभी-कभी लगाते थे। (पादरी और अभिजात वर्ग इस कर से मुक्त थे)।
- कृषिदास लॉर्ड के स्वामित्व में थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- उनकी अधिकतर उपज भी लॉर्ड को ही मिलती थी।
- वे उन भूखंडों पर भी कृषि करते थे जो केवल लॉर्ड के स्वामित्व में थी।
- इसके लिए उन्हें कोई मज़दूरी नहीं मिलती थी।
- वे लॉर्ड की आज्ञा के बिना जागीर नहीं छोड़ सकते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. मध्यकालीन यूरोप का सामाजिक ढाँचा
2. लॉर्ड का स्वामित्व



1 मध्यकालीन यूरोपीय समाज कितने वर्गों में विभाजित था?

- अ सात
- ब तीन ✓
- स पाँच
- द चार





2 तीन वर्ग कौन-कौन से हैं?

- अ पादरी वर्ग
- ब अभिजात वर्ग
- स कृषक वर्ग
- द ये सभी





3 चर्च किसानों पर जो कर लगाता था, वह क्या कहलाता था?



अ फ़ीफ़

ब जजिया

स टीथ

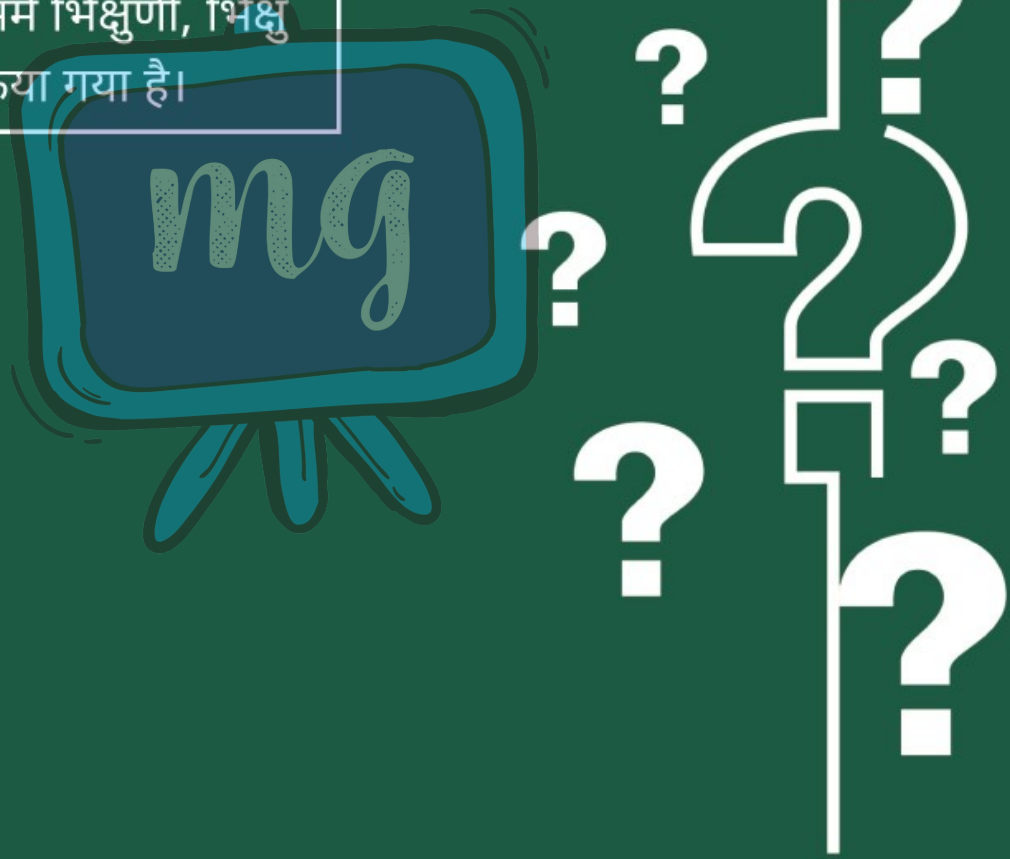
द खराज



4 चॉसर ने कैंटरबरी टेल्स लिखी जिसमें भिक्षुणी, भिक्षु और फ़्रायर का हास्यापद चित्रण किया गया है।

अ ✓ सत्य

ब असत्य



5 | ईसा मसीह का जन्मदिन ..... को मनाया जाता है।

